डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या (उ0प्र0)
DR. RAMMANOHAR LOHIA AVADHUNIVERSITY, AYODHYA (U.P.)
अमृत विचार, अयोध्या
दिनांकः 14 जनवरी, 2023 पृष्ठ संख्याः 03

प्री-पीएचडी कोर्स के लिए आठ नोडल केंद्र बने

अमृत विचार, अयोध्या

● अवध विश्वविद्यालय में कक्षाएं हुईं प्रारंभ, अगस्त तक परीक्षा भी प्रस्तावित

डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय की सत्र-2021-22 की प्री-पीएचडी कोर्स वर्क की कक्षाएं 12 जनवरी से प्रारम्भ कर दी गई हैं। इसके लिए विभिन्न जिलों के केंद्रों को नोडल केंद्र बनाया गया है। प्री-पीएचडी कोर्स की अवधि छह माह होगी। अगस्त माह तक कोर्स वर्क की परीक्षाएं संभावित है।

प्रवेश समन्वयक प्रो. फारूख जमाल ने बताया कि विश्वविद्यालय के कुल आठ नोडल केंद्र बनाए गए हैं, जिसमें विश्वविद्यालय आवासीय परिसर, केएनआईपीएसएस सुल्तानपुर, गनपत सहाय पीजी कालेज सुल्तानपुर, एलबीएस पीजी कॉलेज गोंडा, केएस साकेत पीजी कॉलेज अयोध्या, जवाहर लाल नेहरू पीजी कालेज बाराबंकी, बीबीडी पीजी कालेज परूइया आश्रम अम्बेडकरनगर, आरआरपीजी कालेज अमेठी को केन्द्र बनाया गया है। छात्र-छात्राओं के शैक्षिक प्रमाण-पत्र व कोर्स वर्क के शुल्क की एक प्रति अपने पास रखते हुए एक प्रति विश्वविद्यालय के शोध विभाग में जमा कराना सुनिश्चित करेंगे। पीएचडी प्रवेश परीक्षा एवं साक्षात्कार में अर्ह छात्र-छात्राएं जिन्होंने अभी तक प्री-पीएचडी कोर्स में प्रवेश शुल्क नहीं जमा किया है उनके लिए अंतिम तिथि 20 जनवरी निर्धारित की गई है।

कुलपति के साथ मौजूद कला व मानविकी संकाय के नए डीन और रिटायर्ड प्रो. एमपी सिंह।

प्रोफेसर आशुतोष बने कला व मानविकी संकायाध्यक्ष

अमृत विचार, अयोध्या। अवध विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र एवं ग्रामीण विकास विभाग के प्रो. आशुतोष सिन्हा को कला एवं मानविकी संकाय का संकायाध्यक्ष बनाया गया है। इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग के प्रो. एमपी सिंह के कला एवं मानविकी संकाय के संकायाध्यक्ष का कार्यकाल अधिवर्षिता आयु पूर्ण होने पर वरिष्ठता से चक्रानुक्रम में प्रो. सिन्हा को संकायाध्यक्ष बनाया गया। प्रो. सिन्हा के संकायाध्यक्ष बनाये जाने पर मुख्य नियंता प्रो. अजय प्रताप सिंह, प्रो. चयन कुमार मिश्र, प्रो. एसएन शुक्ल, प्रो. एसएस मिश्र, प्रो. हिमांशु शेखर सिंह, प्रो. अशोक कुमार राय, प्रो. जसवंत सिंह, प्रो. एसके रायजादा, प्रो. राजीव गौड़, प्रो. नीलम पाठक, प्रो. एमपीसिंह, प्रो. आरके सिंह, प्रो. मृदुला मिश्रा, प्रो. विनोद श्रीवास्तव, प्रो. अनुपम श्रीवास्तव, प्रो. शैलेन्द्र वर्मा, प्रो. शैलेन्द्र कुमार सहित बड़ी संख्या में शिक्षक एवं अधिकारियों ने बधाई दी।

हिन्दुस्तान, अयोध्या

दिनांकः 14 जनवरी, 2023 पृष्ठ संख्याः 04

युवाओं को संस्कृति को पहचानना होगा

- आधुनिक भारत एवं स्वामी विवेकानंद विषय पर विमर्श कार्यक्रम आयोजित
- स्वामी विवेकानंद के विचार आज भी प्रासंगिकः प्रो. सिंह

अयोध्या, संवाददाता। स्वामी विवेकानंद केन्द्र कन्याकुमारी के राष्ट्रीय महासचिव भानुदास जी ने कहा कि आधुनिक भारत बनाने के लिए स्वामी विवेकानंद प्रेरणा स्त्रोत रहे हैं। भारत पूरे विश्व को आध्यात्म से परिचित कराए यही स्वामी जी की संकल्पना है। इसके लिए युवाओं को अपने देश की संस्कृति को पहचानना होगा। यह बातें महासचिव भानुदास जी ने डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय एवं विवेकानंद केन्द्र कन्याकुमारी की ओर से संत कबीर सभागार में आधुनिक भारत एवं स्वामी विवेकानंद विषय पर विमर्श कार्यक्रम में बतौर मुख्य वक्ता कही।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय के पूर्व विज्ञान संकायाध्यक्ष प्रो. एलके सिंह ने कहा कि अपनी संस्कृति से प्रेम निरन्तर करते रहना होगा। उन्होंने कहा कि आधुनिक भारत में देश की सभ्यता को संस्कृति के बिना नहीं जाना जा सकता। विशिष्ट अतिथि विवेकानंद केन्द्र के भानु प्रताप ने कहा कि विवेकानंद के संदेशों को युवाओं के बीच पहुंचाना होगा। युवाओं को देश की संस्कृति को पहचानना होगा। अतिथियों का स्वागत प्रो. एसएस मिश्र व प्रो. आरके सिंह ने ग्रंथ व अंगवस्त्रम भेंटकर किया। संचालन अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. नीलम पाठक व श्रवण कुमार ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

प्रो. आशुतोष बने कला व मानविकी संकायाध्यक्ष

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र एवं ग्रामीण विकास विभाग के प्रो. आशुतोष सिन्हा को कला एवं मानविकी का संकायाध्यक्ष बनाया गया है। अभी तक इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग के प्रो. एमपी सिंह संकायाध्यक्ष थे।

हिन्दुस्तान, अयोध्या

दिनांकः 14 जनवरी, 2023 पृष्ठ संख्याः 04

जी-20 राष्ट्रों के विकास की आधारशिला

अवध विवि

अयोध्या, संवाददाता। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के कला व मानविकी संकायाध्यक्ष प्रो. आशुतोष सिन्हा ने कहा कि जी-20 राष्ट्रों के विकास की आधारशिला है। इससे अर्थव्यवस्था के विकास के बहुआयामी स्वरूप को विकसित किया जा सकता है। यह भारत के ऐतिहासिक, पौराणिक, धार्मिक, सांस्कृतिक एवं आर्थिक स्वरूप को विश्लेषित करता है।

यह बातें प्रो. सिन्हा ने विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र एवं ग्रामीण विकास विभाग, ललित कला तथा संगीत एवं अभिनय कला विभाग की ओर से भारत सरकार के जी-20 के सम्बन्ध में आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक उन्नयन में भारत की सहभागिता विषय पर विचार विमर्श कार्यक्रम में कही।

विभागाध्यक्ष प्रो. विनोद कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि भारत द्वारा जी-20 सम्मेलन निश्चित रूप से विश्वपटल पर भारत की सुदृढ़ता को परिलक्षित करेगी। संयोजक डॉ. सरिता द्विवेदी ने विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन विवरण प्रस्तुत किया। इस दौरान अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. नीलम पाठक, डॉ. संग्राम सिंह, डॉ. राना रोहित सिंह, प्रो. शैलेन्द्र कुमार, प्रो. मृदुला मिश्रा, डॉ. अलका श्रीवास्तव, डॉ. सरिता द्विवेदी, सरिता सिंह, आशीष प्रजापति, कविता पाठक, कुशाग्र पाण्डेय, विजय कुमार शुक्ल, हीरालाल यादव, शिव शंकर यादव व अन्य मौजूद रहे।

हिन्दुस्तान, अयोध्या

दिनांकः 14 जनवरी, 2023 पृष्ठ संख्याः 03

प्री-पीएचडी कोर्स वर्क के लिए आठ नोडल केन्द्र निर्धारित

अयोध्या, संवाददाता। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय की सत्र-2021-22 प्री-पीएचडी कोर्स वर्क के लिए विभिन्न जिले में आठ नोडल केन्द्र निर्धारित किए गए हैं। नोडल केन्द्रों पर विद्यार्थियों की कक्षाएं शुरू हो गई हैं। कोर्स वर्क की अवधि छह माह की होगी। जुलाई से अगस्त माह तक कोर्स वर्क की परीक्षाएं होने की संभावना हैं।

पीएचडी प्रवेश समन्वयक प्रो. फारुख जमाल ने बताया कि कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल के आदेश पर सत्र 2021-22 के विभिन्न विषयों के अर्ह छात्र-छात्राओं की प्री-पीएचडी कोर्स वर्क की पढ़ाई प्रारम्भ हो गई है। कक्षाओं के संचालन के लिए विश्वविद्यालय आवासीय परिसर, केएनआईपी एसएस सुल्तानपुर, गनपत सहाय पीजी कॉलेज सुल्तानपुर, एलबीएस पीजी कालेज गोण्डा, केएस साकेत पीजी कालेज अयोध्या, नेहरू पीजी कॉलेज बाराबंकी, बीबीडी पीजी कॉलेज परूइया आश्रम अम्बेड करनगर, आरआरपीजी कॉलेज अमेठी को केन्द्र बनाया गया है।

अमर उजाला माईसिटी, अयोध्या

दिनांकः 14 जनवरी, 2023 पृष्ठ संख्याः 04

अपने देश की संस्कृति पहचानें युवा

संवाद न्यूज एजेंसी

अयोध्या। आधुनिक भारत बनाने के लिए स्वामी विवेकानंद प्रेरणा स्त्रोत रहे हैं। भारत पूरे विश्व को आध्यात्म से परिचित कराए यहीं स्वामी जी की संकल्पना है। इसके लिए युवाओं को अपने देश की संस्कृति को पहचानना होगा। यह बात विवेकानंद केंद्र कन्याकुमारी के राष्ट्रीय महासचिव भानुदास ने कही।

वह शुक्रवार को अवध विवि एवं विवेकानंद केंद्र कन्याकुमारी के संयुक्त तत्वावधान में संत कबीर सभागार में आयोजित आधुनिक भारत एवं स्वामी विवेकानंद विषय पर विमर्श कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कहा कि जी-20 में वसुधैव कुटुंबकम की संकल्पना को साकार किया गया है। विश्वभर में भारत की अलग पहचान बनी है।

अविवि में आधुनिक भारत एवं स्वामी विवेकानंद विषय पर विमर्श

विवि के पूर्व विज्ञान संकायाध्यक्ष प्रो. एलके सिंह ने कहा कि स्वामी विवेकानंद के विचार युवाओं के लिए आज भी प्रासंगिक है। विवेकानंद केंद्र के भानु प्रताप ने कहा कि विवेकानंद के संदेशों को युवाओं के बीच पहुंचाना होगा। अतिथियों का स्वागत प्रो. एसएस मिश्र व प्रो. आरके सिंह ने किया। संचालन अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. नीलम पाठक, धन्यवाद ज्ञापन केंद्र के श्रवण कुमार द्वारा किया गया।

श्रीराम व स्वामी विवेकानंद की तरह नायक बनें युवा

अयोध्या। स्वामी विवेकानंद जयंती पर पंडित ज्वाला प्रसाद मिश्र संगीत शोध संस्थान व विवेकानंद सेवा मंच के संयुक्त तत्वावधान में बृहस्पतिवार देर शाम संस्कार संध्या व भारतमाता की आरती का आयोजन हुआ। इसमें अयोध्या घराना की स्थापना के साधक पंडित सत्य प्रकाश मिश्र ने प्रस्तुति दी। मुख्य अतिथि महंत गिरीश पति त्रिपाठी ने कहा कि युवाओं को निर्बल नहीं श्रीराम व स्वामी विवेकानंद की तरह नायक बनना होगा। इस मौके पर ई. रवि तिवारी, डॉ. उपेंद्र मणि त्रिपाठी, चंद्रशेखर तिवारी, सह संयोजक विवेकानंद सेवा मंच पुष्कर तिवारी, सौरभ मिश्रा मौजूद रहे। संवाद

अमर उजाला माईसिटी, अयोध्या

दिनांकः 14 जनवरी, 2023 पृष्ठ संख्याः 04

जी-20 राष्ट्रों के विकास की आधारशिला : प्रो. आशुतोष

अयोध्या। अवध विश्वविद्यालय में भारत सरकार के जी-20 के संबंध में आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक उन्नयन में भारत की सहभागिता विषय पर विमर्श कार्यक्रम हुआ। इसकी अध्यक्षता करते हुए कला व मानविकी संकायाध्यक्ष प्रो. आशुतोष सिन्हा ने बताया कि जी-20 राष्ट्रों के विकास की आधारशिला है। इससे अर्थव्यवस्था के विकास के बहुआयामी स्वरूप को विकसित किया जा सकता है। यह भारत के ऐतिहासिक, पौराणिक, धार्मिक, सांस्कृतिक एवं आर्थिक स्वरूप को विश्लेषित करता है।

अर्थशास्त्र एवं ग्रामीण विकास के विभागाध्यक्ष प्रो. विनोद कुमार श्रीवास्तव ने जी-20 देशों के समूह के बारे में बताया कि देश में आर्थिक प्रगति का लक्ष्य प्रमुखता से रहा है। जिसे और व्यापक बनाते हुए ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों, पौराणिक मान्यताओं एवं परंपरा आधारित कौशल विकास को विकसित करना है। कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. सरिता द्विवेदी ने विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का विवरण प्रस्तुत किया।

बताया कि इसमें पोस्टर प्रतियोगिता, रंगोली, स्लोगन एवं विशिष्ट लोगो प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। इस अवसर पर अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. नीलम पाठक, डॉ. संग्राम सिंह, डॉ. राना रोहित सिंह, प्रो.शैलेंद्र कुमार, प्रो.मृदुला मिश्रा मौजूद रहे। संवाद

अमर उजाला माईसिटी, अयोध्या

दिनांकः 14 जनवरी, 2023 पृष्ठ संख्याः 03

अवध विवि ने प्री पीएचडी कोर्स वर्क के लिए आठ नोडल केंद्र बनाए

कक्षाएं प्रारंभ, कोर्स वर्क की अवधि छह माह

संवाद न्यूज एजेंसी

अयोध्या। अवध विश्वविद्यालय की सत्र 2021-22 प्री-पीएचडी कोर्स वर्क की कक्षाएं 12 जनवरी से प्रारंभ कर दी गई है। इसके लिए विभिन्न जिलों के केंद्रों को नोडल केंद्र बनाया गया है। प्री-पीएचडी कोर्स वर्क की अवधि छह माह की होगी। जुलाई से लेकर अगस्त माह तक कोर्स वर्क की परीक्षाएं विवि द्वारा कराई जानी संभावित है।

पीएचडी प्रवेश समन्वयक प्रो. फारुख जमाल ने बताया कि विवि की कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल के आदेश व सत्र 2021-22 के विभिन्न विषयों के अर्ह छात्र-छात्राओं की प्री-पीएचडी कोर्स वर्क की पढ़ाई 12 जनवरी से प्रारंभ कर दी गई है। इस संबंध में कुल सात नोडल केंद्र बनाए गए हैं। इसमें विश्वविद्यालय आवासीय परिसर, केएनआई सुल्तानपुर, गनपत सहाय पीजी कॉलेज सुल्तानपुर, एलबीएस पीजी कॉलेज गोंडा, साकेत पीजी कॉलेज अयोध्या, जवाहर लाल नेहरू पीजी कॉलेज बाराबंकी, बीबीडी पीजी कॉलेज परूइया आश्रम अंबेडकरनगर, आरआरपीजी कॉलेज अमेठी को केंद्र बनाया गया है।

उन्होंने बताया कि प्री-पीएचडी कोर्स के लिए विषय के संयोजकों को सूचित किया गया है कि कोर्स वर्क के छात्र-छात्राओं के शैक्षिक प्रमाण पत्र व कोर्स वर्क के शुल्क की एक प्रति अपने पास रखते हुए एक प्रति विवि के शोध विभाग में जमा कराना सुनिश्चित करेंगे। विवि की पीएचडी प्रवेश परीक्षा एवं साक्षात्कार में अर्ह छात्र-छात्राएं जिन्होंने अभी तक प्री-पीएचडी कोर्स में किसी कारणवश प्रवेश शुल्क नहीं जमा किया है। उनके लिए प्रशासन ने अंतिम तिथि 20 जनवरी निर्धारित की है।

इसके उपरांत छात्र-छात्राओं को मौका नहीं दिया जायेगा। बताया कि प्री-पीएचडी कोर्स वर्क से संबंधित सूचना विषय संयोजकों को सूचित करने के साथ विवि की वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है।

अवध गाथा, अयोध्या

दिनांकः 14 जनवरी, 2023 पृष्ठ संख्याः 03

युवाओं को अपने देश की संस्कृति को पहचानना होगा: भानुदास

टविवि में आधुनिक भारत एवं स्वामी विवेकानंद विषय पर विमर्श कार्यक्रम का आयोजन

अवध गाथा संवाददाता

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय एवं विवेकानंद केन्द्र कन्याकुमारी के संयुक्त तत्वावधान में संत कबीर सभागार में सायं 4 बजे आधुनिक भारत एवं स्वामी विवेकानंद विषय पर विमर्श कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता विवेकानंद केन्द्र कन्याकुमारी के राष्ट्रीय महासचिव भानुदास जी ने कहा कि आधुनिक भारत बनाने के लिए स्वामी विवेकानंद प्रेरणा स्त्रोत रहे है। भारत पूरे विश्व को आधात्म से परिचित कराये यहीं स्वामी जी की संकल्पना है। इसके लिए युवाओं को अपने देश की संस्कृति को पहचानना होगा। उन्होंने कहा कि जी-20 में वसुधैव कुटुंबकम की संकल्पना को साकार किया गया है। विश्वभर में भारत की अलग पहचान बनी है। आधुनिक भारत वैश्विक सत्ता बने या विश्व गुरू। लेकिन युवाओं के सामने स्वामी जी की परिकल्पना आदर्श के रूप में है। उन्होंने गीता का उल्लेख करते हुए कहा कि योगी पुरूष वह होता है जो लोगों को जोड़ने का कार्य करें। सदमार्ग पर लाने का विचार करे। युवाओं को कर्म योग द्वारा श्रेष्ठ भारत बनाना है। आधुनिक भारत का समाज तभी विकास करेगा जब

पूरे भारत में राम कृष्ण रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय के पूर्व विज्ञान संकायाध्क्ष प्रो0 एलके सिंह ने कहा कि स्वामी विवेकानंद के विचार युवाओं के लिए आज भी प्रासंगिक है। उन्होंने युवाओं में अध्यात्म व संस्कार का पाठ पढ़ाया और कहा कि अपनी संस्कृति से प्रेम निरन्तर करते रहना होगा। आधुनिक भारत में में देश की सभ्यता को संस्कृति के बिना नही जाना जा सकता। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि विवेकानंद केन्द्र के भानु प्रताप ने कहा कि विवेकानंद के संदेशों को युवाओं के बीच पहुँचाना होगा। भारत को विश्व गुरू बनाने के साथ स्वामी जी के आदर्शो को पूरा करना है। उन्होंने युवाओं से कहा कि देश की धरती आध्यात्म की रही है। जिसमें हमारी संस्कृति निहित है। लेकिन हम इसे भुलाते जा रहे है। स्वामी जी ने निःस्वार्थ सेवा को सर्वोपरि रखा है। उन्होंने धर्म को सर्वोच्च स्थान दिया है। उनका एक ही ध्येय रहा वसुधैव कुटुंबकम। भारत की सभ्यता और संस्कृति को बचाये रखने के लिए युवाओं को आगे आना होगा और स्वामी जी के बताये मार्ग पर चलना होगा। कार्यक्रम का शुभारम्भ विवेकानंद जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके किया गया। अतिथियों का स्वागत प्रो0 एसएस मिश्र व प्रो0 आरके सिंह द्वारा ग्रंथ व अंगवस्त्रम भेटकर किया गया। छात्रों द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम का संचालन अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो0 नीलम पाठक ने किया। धन्यवाद ज्ञापन केन्द्र के श्रवण कुमार द्वारा किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में शिक्षक, विवेकानंद केन्द्र कन्याकुमारी पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

स्वतंत्र भारत, अयोध्या

दिनांकः 14 जनवरी, 2023 पृष्ठ संख्याः 05

प्री-पीएचडी कोर्स के लिए बनाये गये आठ नोडल केन्द्र

स्वतंत्र भारत ब्यूरो (अयोध्या) डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय की सत्र-2021-22 प्री-पीएचडी कोर्स वर्क की कक्षाएं 12 जनवरी से प्रारम्भ कर दी गई है। इसके लिए विभिन्न जिलों के केन्द्रों को नोडल केन्द्र बनाया गया है। प्री-पीएचडी कोर्स वर्क की अवधि छः माह की होगी। जुलाई से लेकर अगस्त माह तक कोर्स वर्क की परीक्षाएं विश्वविद्यालय द्वारा कराई जानी संभावित है।

पीएचडी प्रवेश समन्वयक प्रो0 फारूख जमाल ने बताया कि विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल के आदेशानुसार सत्र 2021-22 के विभिन्न विषयों के अर्ह छात्र-छात्राओं की प्री-पीएचडी कोर्स वर्क की पढ़ाई 12 जनवरी से प्रारम्भ कर दी गई है। इस सम्बन्ध में कुल सात नोडल केन्द्र बनाये गये है। जिसमें विश्वविद्यालय आवासीय परिसर, केएनआईपीएसएस, सुल्तानपुर, गनपत सहाय पीजी कालेज, सुल्तानपुर, एलबीएस पीजी कालेज, गोण्डा, केएस साकेत पीजी कालेज, अयोध्या, जवाहर लाल नेहरू पीजी कालेज, बाराबंकी, बीबीडी पीजी कालेज परूइया आश्रम अम्बेडकरनगर, आरआरपीजी कालेज, अमेठी को केन्द्र बनाया गया है। प्रो0 जमाल ने बताया कि प्री-पीएचडी कोर्स के लिए विषय के संयोजकों सूचित किया गया है कि कोर्स वर्क के छात्र-छात्राओं के शैक्षिक प्रमाण-पत्र व कोर्स वर्क के शुल्क की एक प्रति अपने पास रखते हुए एक प्रति विश्वविद्यालय के शोध विभाग में जमा कराना सुनिश्चित करेंगे। प्रो0 फारूख ने बताया कि विश्वविद्यालय की पीएचडी प्रवेश परीक्षा एवं साक्षात्कार में अर्ह छात्र-छात्राएं जिन्होंने अभी तक प्री-पीएचडी कोर्स में किसी कारणवंश प्रवेश शुल्क नही जमा किया है। छात्रहित के दृष्टिगत विश्वविद्यालय प्रशासन अंतिम तिथि 20 जनवरी, 2023 निर्धारित की है। इसके उपरांत छात्र-छात्राओं को मौका नही दिया जायेगा। प्रो0 जमाल ने बताया कि प्री-पीएचडी कोर्स वर्क से सम्बन्धित सूचना विषय संयोजकों को सूचित करने के साथ विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है।

तरूणमित्र, अयोध्या

दिनांकः 14 जनवरी, 2023 पृष्ठ संख्याः 08

अवध विवि में प्री-पीएचडी कोर्स वर्क के लिए बने आठ नोडल केंद्र

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय की सत्र-2021-22 प्री-पीएचडी कोर्स वर्क की कक्षाएं 12 जनवरी से प्रारम्भ कर दी गई है। इसके लिए विभिन्न जिलों के केन्द्रों को नोडल केन्द्र बनाया गया है। प्री-पीएचडी कोर्स वर्क की अवधि छः माह की होगी। जुलाई से लेकर अगस्त माह तक कोर्स वर्क की परीक्षाएं विश्वविद्यालय द्वारा कराई जानी संभावित है। पीएचडी प्रवेश समन्वयक प्रो. फारूख जमाल ने बताया कि विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल के आदेशानुसार सत्र 2021-22 के विभिन्न विषयों के अर्ह छात्र-छात्राओं की प्री-पीएचडी कोर्स वर्क की पढ़ाई 12 जनवरी से प्रारम्भ कर दी गई है। इस सम्बन्ध में कुल सात नोडल केन्द्र बनाये गये है। जिसमें विश्वविद्यालय आवासीय परिसर, केएनआईपीएसएस, सुल्तानपुर, गनपत सहाय पीजी कालेज, सुल्तानपुर, एलबीएस पीजी कालेज, गोण्डा, केएस साकेत पीजी कालेज, अयोध्या, जवाहर लाल नेहरू पीजी कालेज, बाराबंकी, बीबीडी पीजी कालेज परूइया आश्रम अम्बेडकरनगर, आरआरपीजी कालेज, अमेठी को केन्द्र बनाया गया है। प्रो. जमाल ने बताया कि प्री-पीएचडी कोर्स के लिए विषय के संयोजकों सूचित किया गया है कि कोर्स वर्क के छात्र-छात्राओं के शैक्षिक प्रमाण-पत्र व कोर्स वर्क के शुल्क की एक प्रति अपने पास रखते हुए एक प्रति विश्वविद्यालय के शोध विभाग में जमा कराना सुनिश्चित करेंगे।

प्रो. फारूख ने बताया कि विश्वविद्यालय की पीएचडी प्रवेश परीक्षा एवं साक्षात्कार में अर्ह छात्र-छात्राएं जिन्होंने अभी तक प्री-पीएचडी कोर्स में किसी कारणवंश प्रवेश शुल्क नही जमा किया है। छात्रहित के दृष्टिगत विश्वविद्यालय प्रशासन अंतिम तिथि 20 जनवरी, 2023 निर्धारित की है। इसके उपरांत छात्र-छात्राओं को मौका नही दिया जायेगा। प्रो. जमाल ने बताया कि प्री-पीएचडी कोर्स वर्क से सम्बन्धित सूचना विषय संयोजकों को सूचित करने के साथ विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है।

स्वतंत्र चेतना, अयोध्या

दिनांकः 14 जनवरी, 2023 पृष्ठ संख्याः 03

अविवि ने प्री-पीएचडी कोर्स वर्क के बनाये आठ नोडल केन्द्र

स्वतंत्र चेतना, अयोध्या। अवध विश्वविद्यालय की सत्र-2021-22 प्री-पीएचडी कोर्स वर्क की कक्षाएं 12 जनवरी से प्रारम्भ कर दी गई है। इसके लिए विभिन्न जिलों के केन्द्रों को नोडल केन्द्र बनाया गया है। प्री-पीएचडी कोर्स वर्क की अवधि छः माह की होगी। जुलाई से लेकर अगस्त माह तक कोर्स वर्क की परीक्षाएं विश्वविद्यालय द्वारा कराई जानी संभावित है। पीएचडी प्रवेश समन्वयक प्रो0 फारूख जमाल ने बताया कि विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल के आदेशानुसार सत्र 2021-22 के विभिन्न विषयों के अर्ह छात्र-छात्राओं की प्री-पीएचडी कोर्स वर्क की पढ़ाई 12 जनवरी से प्रारम्भ कर दी गई है। इस सम्बन्ध में कुल सात नोडल केन्द्र बनाये गये है। जिसमें विश्वविद्यालय आवासीय परिसर, के एन आई पी एस एस, सुल्तानपुर, गनपत सहाय पीजी कालेज, सुल्तानपुर, एलबीएस पीजी कालेज, गोण्डा, के एस साकेत पीजी कालेज, अयोध्या, जवाहर लाल नेहरू पीजी कालेज, बाराबंकी, बीबीडी पीजी कालेज परूइया आश्रम अम्बेडकरनगर, आरआरपीजी कालेज, अमेठी को केन्द्र बनाया गया है। प्रो0 जमाल ने बताया कि प्री-पीएचडी कोर्स के लिए विषय के संयोजकों सूचित किया गया है कि कोर्स वर्क के छात्र-छात्राओं के शैक्षिक प्रमाण-पत्र व कोर्स वर्क के शुल्क की एक प्रति अपने पास रखते हुए एक प्रति विश्वविद्यालय के शोध विभाग में जमा कराना सुनिश्चित करेंगे। प्रो0 फारूख ने बताया कि विश्वविद्यालय की पीएचडी प्र-वेश परीक्षा एवं साक्षात्कार में अर्ह छात्र-छात्राएं जिन्होंने अभी तक प्री-पीएचडी कोर्स में किसी कारणवंश प्रवेश शुल्क नही जमा किया है। छात्रहित के दृष्टिगत विश्वविद्यालय प्रशासन अंतिम तिथि 20 जनवरी निर्धारित की है। इसके उपरांत छात्र-छात्राओं को मौका नही दिया जायेगा। प्रो0 जमाल ने बताया कि प्री-पीएचडी कोर्स वर्क से सम्बन्धित सूचना विषय संयोजकों को सूचित करने के साथ विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है।

स्वतंत्र चेतना, अयोध्या

दिनांकः 14 जनवरी, 2023 पृष्ठ संख्याः 03

गांव-शहर की खबरें

प्रो० आशुतोष बने कला एवं मानविकी संकायाध्यक्ष

स्वतंत्र चेतना, अयोध्या। अवध विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र एवं ग्रामीण विकास विभाग के प्रो० आशुतोष सिन्हा को कला एवं मानविकी संकाय का संकायाध्यक्ष बनाया गया। इतिहास, संसति एवं पुरातत्व विभाग के प्रो० एमपी सिंह के कला एवं मानविकी संकाय के संकायाध्यक्ष का कार्यकाल अधिवर्षिता आयु पूर्ण होने पर वरिष्ठता से चक्रानुक्रम में प्रो० सिन्हा को संकायाध्यक्ष बनाया गया। उक्त पद पर प्रो० सिन्हा का कार्यकाल अधिसूचना निर्गत होने की तिथि से तीन वर्ष तक अथवा अधिवार्षिता की आयु पूर्ण होने तक अथवा अग्रिम आदेशों तक जो भी पूर्व में तक के लिए किया गया है। प्रो० सिन्हा के संकायाध्यक्ष बनाये जाने पर मुख्य नियंता प्रो० अजय प्रताप सिंह, प्रो० चयन कुमार मिश्र, प्रो० एसएन शुक्ल, प्रो० एसएस मिश्र, प्रो० हिमांशु शेखर सिंह, प्रो० जसंवत सिंह, प्रो० एसके रायजादा, प्रो० राजीव गौड़, प्रो० नीलम पाठक, प्रो० एमपीसिंह, प्रो० आरके सिंह, प्रो० मृदुला मिश्रा, प्रो० विनोद श्रीवास्तव, प्रो० अनुपम श्रीवास्तव, प्रो० शैलेन्द्र वर्मा, प्रो० शैलेन्द्र कुमार सहित बड़ी संख्या में शिक्षक एवं अधिकारियों ने बधाई दी।

शांतिमोर्चा, अयोध्या

दिनांकः 14 जनवरी, 2023 पृष्ठ संख्याः 03

विवि में आधुनिक भारत एवं स्वामी विवेकानंद विषय पर विमर्श कार्यक्रम का आयोजन सम्पन्न

युवाओं को अपने देश की संस्कृति को पहचानना होगा :भानुदास

(शान्तिमोर्चा संवाद)

अयोध्या , 13 जनवरी। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय एवं विवेकानंद केन्द्र कन्याकुमारी के संयुक्त तत्वावधान में संत कबीर सभागार में सायं 4 बजे आधुनिक भारत एवं स्वामी विवेकानंद विषय पर विमर्श कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता विवेकानंद केन्द्र कन्याकुमारी के राष्ट्रीय महासचिव भानुदास जी ने कहा कि आधुनिक भारत बनाने के लिए स्वामी विवेकानंद प्रेरणा स्त्रोत रहे है। भारत पूरे विश्व को आधात्म से परिचित कराये यहीं स्वामी जी की संकल्पना है। इसके लिए युवाओं को अपने देश की संस्कृति को पहचानना होगा। उन्होंने कहा कि जी–20 में वसुधैव

कुटुंबकम की संकल्पना को साकार किया गया है। विश्वभर में भारत की अलग पहचान बनी है। आधुनिक भारत वैश्विक सत्ता बने या विश्व गुरू। लेकिन युवाओं के सामने स्वामी जी की परिकल्पना आदर्श के रूप में है। उन्होंने गीता का उल्लेख करते हुए कहा कि योगी पुरूष वह होता है जो लोगों को जोड़ने का कार्य करें। सदमार्ग पर लाने का विचार करे। युवाओं को कर्म योग द्वारा श्रेष्ठ भारत बनाना है। आधुनिक भारत का समाज तभी विकास करेगा जब पूरे भारत में राम कृष्ण रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय के पूर्व विज्ञान संकायाध्क्ष प्रो0 एलके सिंह ने कहा कि स्वामी विवेकानंद के विचार युवाओं के लिए आज भी प्रासंगिक है। उन्होंने युवाओं में अध्यात्म व संस्कार का पाठ पढ़ाया और कहा कि अपनी संस्कृति से प्रेम निरन्तर करते रहना होगा। आधुनिक भारत में में देश की सभ्यता को संस्कृति के बिना नही जाना जा सकता। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि विवेकानंद केन्द्र के भानु प्रताप ने कहा कि विवेकानंद के संदेशों को युवाओं के बीच पहुँचाना होगा। भारत को विश्व गुरू बनाने के साथ स्वामी जी के आदर्शो को पूरा करना है। उन्होंने युवाओं से कहा कि देश की धरती आध्यात्म की रही है। जिसमें हमारी संस्कृति निहित है। लेकिन हम इसे भुलाते जा रहे है। स्वामी जी ने निःस्वार्थ सेवा को सर्वोपरि रखा है। उन्होंने धर्म को सर्वोच्च स्थान दिया है। उनका एक ही ध्येय रहा वसुधैव कुटुंबकम। भारत की सभ्यता और संस्कृति को बचाये रखने के लिए युवाओं को आगे आना होगा और स्वामी जी के बताये मार्ग पर चलना होगा। कार्यक्रम का शुभारम्भ विवेकानंद जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके किया गया। अतिथियों का स्वागत प्रो0 एसएस मिश्र व प्रो0 आरके सिंह द्वारा ग्रंथ व अंगवस्त्रम भेटकर किया गया। छात्रों द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम का संचालन अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो0 नीलम पाठक ने किया। धन्यवाद ज्ञापन केन्द्र के श्रवण कुमार द्वारा किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में शिक्षक, कन्याकुमारी पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

शांतिमोर्चा, अयोध्या

दिनांकः 14 जनवरी, 2023 पृष्ठ संख्याः 08

प्री–पीएचडी कोर्स वर्क के लिए बने आठ नोडल केन्द्र

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय की सत्र–2021–22 प्री–पीएचडी कोर्स वर्क की कक्षाएं 12 जनवरी से प्रारम्भ कर दी गई है। इसके लिए विभिन्न जिलों के केन्द्रों को नोडल केन्द्र बनाया गया है। प्री–पीएचडी कोर्स वर्क की अवधि छः माह की होगी। जुलाई से लेकर अगस्त माह तक कोर्स वर्क की परीक्षाएं विश्वविद्यालय द्वारा कराई जानी संभावित है। पीएचडी प्रवेश समन्वयक प्रो. फारूख जमाल ने बताया कि विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल के आदेशानुसार सत्र 2021–22 के विभिन्न विषयों के अर्ह छात्र–छात्राओं की प्री–पीएचडी कोर्स वर्क की पढ़ाई 12 जनवरी से प्रारम्भ कर दी गई है। इस सम्बन्ध में कुल सात नोडल केन्द्र बनाये गये है। जिसमें विश्वविद्यालय आवासीय परिसर, केएनआईपीएसएस, सुल्तानपुर, गनपत सहाय पीजी कालेज, सुल्तानपुर, एलबीएस पीजी कालेज गोण्डा, केएस साकेत पीजी कालेज, अयोध्या, जवाहर लाल नेहरू पीजी कालेज, बाराबंकी, बीबीडी पीजी कालेज परूइया आश्रम अम्बेडकरनगर, आरआरपीजी कालेज, अमेठी को केन्द्र बनाया गया है। प्रो. जमाल ने बताया कि प्री–पीएचडी कोर्स के लिए विषय के संयोजकों सूचित किया गया है कि कोर्स वर्क के छात्र–छात्राओं के शैक्षिक प्रमाण–पत्र व कोर्स वर्क के शुल्क की एक प्रति अपने पास रखते हुए एक प्रति विश्वविद्यालय के शोध विभाग में जमा कराना सुनिश्चित करेंगे। प्रो. फारूख ने बताया कि विश्वविद्यालय की पीएचडी प्रवेश परीक्षा एवं साक्षात्कार में अर्ह छात्र–छात्राएं जिन्होंने अभी तक प्री–पीएचडी कोर्स में किसी कारणवंश प्रवेश शुल्क नही जमा किया है। छात्रहित के दृष्टिगत विश्वविद्यालय प्रशासन अंतिम तिथि 20 जनवरी, 2023 निर्धारित की है इसके उपरांत छात्र–छात्राओं को मौका नही दिया जायेगा। प्रो. जमाल ने बताया कि प्री–पीएचडी कोर्स वर्क से सम्बन्धित सूचना विषय संयोजकों को सूचित करने के साथ विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है।

शांतिमोर्चा, अयोध्या

दिनांकः 14 जनवरी, 2023 पृष्ठ संख्याः 08

प्रो. आशुतोष सिन्हा बने कला एवं मानविकी संकायाध्यक्ष

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र एवं ग्रामीण विकास विभाग के प्रो० आशुतोष सिन्हा को कला एवं मानविकी संकाय का संकायाध्यक्ष बनाया गया। इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग के प्रो. एमपी सिंह के कला एवं मानविकी संकाय के संकायाध्यक्ष का कार्यकाल अधिवर्षिता आयु पूर्ण होने पर वरिष्ठता से चक्रानुक्रम में प्रो. सिन्हा को संकायाध्यक्ष बनाया गया। उक्त पद पर प्रो. सिन्हा का कार्यकाल अधिसूचना निर्गत होने की तिथि से तीन वर्ष तक अथवा अधिवार्षिता की आयु पूर्ण होने तक अथवा अग्रिम आदेशों तक जो भी पूर्व में तक के लिए किया गया है। प्रो० सिन्हा के संकायाध्यक्ष बनाये जाने पर मुख्य नियंता प्रो० अजय प्रताप सिंह, प्रो० चयन कुमार मिश्र, प्रो० एसएन शुक्ल, प्रो० एसएस मिश्र, प्रो० हिमांशु शेखर सिंह, प्रो० जसंवत सिंह, प्रो० एसके रायजादा, प्रो० विनोद श्रीवास्तव, प्रो० अनुपम श्रीवास्तव, प्रो० शैलेन्द्र वर्मा, प्रो० शैलेन्द्र कुमार सहित बड़ी संख्या में शिक्षक एवं अधिकारियों ने बधाई दी।

अवध कमेंट वीक, अयोध्या

दिनांकः 14 जनवरी, 2023 पृष्ठ संख्याः 01

युवाओं को अपने देश की संस्कृति को पहचानना होगाः भानुदास जी

अवध विवि विवि में आधुनिक भारत एवं स्वामी विवेकानंद विषय पर विमर्श कार्यक्रम का आयोजन

अवध कमेंट वीक

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय एवं विवेकानंद केन्द्र कन्याकुमारी के संयुक्त तत्वावधान में संत कबीर सभागार में सायं 4 बजे आधुनिक भारत एवं स्वामी विवेकानंद विषय पर विमर्श कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता विवेकानंद केन्द्र कन्याकुमारी के राष्ट्रीय महासचिव भानुदास जी ने कहा कि आधुनिक भारत बनाने के लिए स्वामी विवेकानंद प्रेरणा स्त्रोत रहे है। भारत पूरे विश्व को आधात्म से परिचित कराये यहीं स्वामी जी की संकल्पना है। इसके लिए युवाओं को अपने देश की संस्कृति को पहचानना होगा। उन्होंने कहा कि जी-20 में वसुधैव कुटुंबकम की संकल्पना को साकार किया गया है। विश्वभर में भारत की अलग पहचान बनी है। आधुनिक भारत वैश्विक सत्ता बने या विश्व गुरू। लेकिन युवाओं के सामने स्वामी जी की परिकल्पना आदर्श के रूप में है। उन्होंने गीता का उल्लेख

करते हुए कहा कि योगी पुरूष वह होता है जो लोगों को जोड़ने का कार्य करें। सदमार्ग पर लाने का विचार करे। युवाओं को कर्म योग द्वारा श्रेष्ठ भारत बनाना है। आधुनिक भारत का समाज तभी विकास करेगा जब पूरे भारत में राम कृष्ण रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय के पूर्व विज्ञान संकायाध्क्ष प्रो0 एलके सिंह ने कहा कि स्वामी विवेकानंद के विचार युवाओं के लिए आज भी प्रासंगिक है। उन्होंने युवाओं में अध्यात्म व संस्कार का पाठ पढ़ाया और कहा कि अपनी संस्कृति से प्रेम निरन्तर करते रहना होगा। आधुनिक भारत में में देश की सभ्यता को संस्कृति के बिना नही जाना जा सकता। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि विवेकानंद केन्द्र के भानु प्रताप ने कहा कि विवेकानंद के संदेशों को युवाओं के बीच पहुँचाना होगा। भारत को विश्व गुरू बनाने के साथ स्वामी जी के आदर्शो को पूरा करना है। उन्होंने युवाओं से कहा कि देश की धरती आध्यात्म की रही है। जिसमें हमारी संस्कृति निहित है। लेकिन हम इसे भुलाते जा रहे है। स्वामी जी ने निःस्वार्थ सेवा को सर्वोपरि रखा है। उन्होंने धर्म को सर्वोच्च स्थान दिया है। उनका एक ही ध्येय रहा वसुधैव कुटुंबकम। भारत की सभ्यता और संस्कृति को बचाये रखने के लिए युवाओं को आगे आना होगा और स्वामी जी के बताये मार्ग पर चलना होगा। कार्यक्रम का शुभारम्भ विवेकानंद जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके किया गया। अतिथियों का स्वागत प्रो0 एसएस मिश्र व प्रो0 आरके सिंह द्वारा ग्रंथ व अंगवस्त्रम भेटकर किया गया। छात्रों द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम का संचालन अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो0 नीलम पाठक ने किया। धन्यवाद ज्ञापन केन्द्र के श्रवण कुमार द्वारा किया गया।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में शिक्षक, विवेकानंद केन्द्र कन्या कुमारी पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

वॉयस ऑफ लखनऊ

दिनांकः 14 जनवरी, 2023 पृष्ठ संख्याः 03

प्री-पीएचडी कोर्स वर्क के लिए बने आठ नोडल केंद्र

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय की सत्र-2021-22 प्री-पीएचडी कोर्स वर्क की कक्षाएं 12 जनवरी से प्रारम्भ कर दी गई है। इसके लिए विभिन्न जिलों के केन्द्रों को नोडल केन्द्र बनाया गया है। प्री-पीएचडी कोर्स वर्क की अवधि छः माह की होगी। जुलाई से लेकर अगस्त माह तक कोर्स वर्क की परीक्षाएं विश्वविद्यालय द्वारा कराई जानी संभावित है। पीएचडी प्रवेश समन्वयक प्रो. फारूख जमाल ने बताया कि विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल के आदेशानुसार सत्र 2021-22 के विभिन्न विषयों के अर्ह छात्र-छात्राओं की प्री-पीएचडी कोर्स वर्क की पढ़ाई 12 जनवरी से प्रारम्भ कर दी गई है। इस सम्बन्ध में कुल सात नोडल केन्द्र बनाये गये है। जिसमें विश्वविद्यालय आवासीय परिसर, केएनआईपीएसएस, सुल्तानपुर, गनपत सहाय पीजी कालेज, सुल्तानपुर, एलबीएस पीजी कालेज, गोण्डा, केएस साकेत पीजी कालेज, अयोध्या, जवाहर लाल नेहरू पीजी कालेज, बाराबंकी, बीबीडी पीजी कालेज परूइया आश्रम अम्बेडकरनगर, आरआरपीजी कालेज, अमेठी को केन्द्र बनाया गया है। प्रो. जमाल ने बताया कि प्री-पीएचडी कोर्स के लिए विषय के संयोजकों सूचित किया गया।

वॉयस ऑफ लखनऊ

दिनांकः 14 जनवरी, 2023 पृष्ठ संख्याः 03

प्रो. आशुतोष सिन्हा बने कला एवं मानविकी संकायाध्यक्ष

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र एवं ग्रामीण विकास विभाग के प्रो. आशुतोष सिन्हा को कला एवं मानविकी संकाय का संकायाध्यक्ष बनाया गया। इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग के प्रो. एमपी सिंह के कला एवं मानविकी संकाय के संकायाध्यक्ष का कार्यकाल अधिवर्षिता आयु पूर्ण होने पर वरिष्ठता से चक्रानुक्रम में प्रो. सिन्हा को संकायाध्यक्ष बनाया गया। उक्त पद पर प्रो. सिन्हा का कार्यकाल अधिसूचना निर्गत होने की तिथि से तीन वर्ष तक अथवा अधिवार्षिता की आयु पूर्ण होने तक अथवा अग्रिम आदेशों तक जो भी पूर्व में तक के लिए किया गया है। प्रो० सिन्हा के संकायाध्यक्ष बनाये जाने पर मुख्य नियंता प्रो० अजय प्रताप सिंह, प्रो० चयन कुमार मिश्र, प्रो० एसएन शुक्ल, प्रो० एसएस मिश्र, प्रो० हिमांशु शेखर सिंह, प्रो० जसंवत सिंह, प्रो० एसके रायजादा, प्रो० राजीव गौड़, प्रो० नीलम पाठक, प्रो० एमपीसिंह, प्रो० आरके सिंह, प्रो० मृदुला मिश्रा, प्रो० विनोद श्रीवास्तव, प्रो० अनुपम है।